С Б.П.

Танья

Перек א א

1. Пэрэк א. Таньё [бесойф пэрэк ג денидо] машбиим ойсой
2. «Теѓи צ, веаль теѓи рошо». Ваафилу коль
3. ѓоойлом кулой оймрим лехо: צ ато - ѓэей бээйнехо керошо.
4. Вецорих леѓовин, деѓо тнан [овойс пэрэк ב]: веаль теѓи рошо бифней
5. ацмехо. Вегам им иѓье бээйнов керошо ейра левовой вэиѓье оцейв,
6. велой юхаль лаавойд Ѓашем бесимхо уветув лейвов. Веим лой ейра левовой
7. кkлаль мизэ - ёхойль ловой лидей калус, хас вешолойм. Ах ѓоиньён, ки ѓиней
8. моцину бигморо ה халукойс: цадик ветойв лой, цадик вера лой, рошо
9. ветойв лой, рошо вера лой, увейнони. Уфиршу бигморо: צ ветойв лой -
10. צ гомур; צ веро лой - צ шеэйной гомур. УвеРайо
11. Меѓеймно, паршас мишпотим, пирэш: צ вера лой - шеѓора шебой кофуф
12. латойв, вехулэй. Увигморо, сойф пэрэк ט диврохойс: цадиким - ецер тойв шойфтон, хулэй;
13. решоим – ецер ѓоро шойфтон; бейноним – зэ возэ шойфтон, вехулэй. Омар Рабо:
14. кегойн оно бейнони. Омар лейѓ Абаей: ло швик мар хаей лехоль бирьё,
15. вехулей. Улеѓовин коль зэ боэйр ѓэйтэйв, вэгам лэѓовин ма шеомар Иейв
16. [Бово Басро пэрэк א]: Рибойной шель ойлом, боросо цадиким, борос решоим, хулей. Веѓо
17. צ верошо лой коомар. Вегам леѓовин маѓус мадрейгас ѓабейнони,
18. шебевадай эйной мэхцо зхуёйс умэхцо авойнойс, шеим кэйн, эйх тоо
19. Рабо бэацмой лоймар, шеѓу бэйнони, вэнойда дэлой псик пумэйѓ
20. мигирсо, ад шеафилу мал’ах ѓамовэс лой ѓоё ёхойль лишлойт бой,
21. вээйх ѓоё ёхойль лит’ойс бэмэхцо авойнойс, хас вэшолойм. Вэойд, шеѓарэй
22. бэшоо шеойсэ авойнойс никро рошо гомур [вэим ахар ках осо
23. тшуво никро צ гомур]; ваафилу ѓоойвэйр аль исур каль
24. шель диврей сойфрим микрэй рошо, кэдэисо бэфэрэк ב дэевомойс
25. увэфэрэк камо дэнидо; ваафилу ми шеейш бэёдой лимхойс вэлой михо никро
26. рошо [бэфэрэк ו дишвуойс], вэколь шекэйн вэкаль вохоймэр бимэватэль эйзой мицвас асэй шеэфшор
27. лой лэкамо, кмой коль шеэфшор лой лаасойк батойро вээйной ойсэйк…

א-алеф ב-бейс ג-гимел ה-ѓей ט-тес צ-цадик

פרק א תניא [בספ"ג דנדה] משביעים אותו
תהי צדיק ואל תהי רשע ואפי' כל
העולם כולו אומרים לך צדיק אתה היה בעיניך כרשע וצריך להבין דהא תנן [אבות פ"ב] ואל תהי רשע בפני עצמך וגם אם יהיה בעיניו כרשע ירע לבבו ויהיה עצב ולא יוכל לעבו' ה' בשמחה ובטוב לבב ואם לא ירע לבבו כלל מזה יכול לבוא לידי קלות ח"ו. אך הענין כי הנה מצינו בגמרא ה' חלוקות. צדיק וטוב לו צדיק ורע לו רשע וטוב לו רשע ורע לו ובינוני. ופירשו בגמרא צדיק וטוב לו צדיק גמור צדיק ורע לו צדיק שאינו גמור וברעיא מהימנא פ' משפטים פי' צדיק ורע לו שהרע שבו כפוף לטוב וכו' ובגמרא ספ"ט דברכות צדיקים יצ"ט שופטן כו' רשעים יצה"ר שופטן בינונים זה וזה שופטן וכו' אמר רבה כגון אנא בינוני א"ל אביי לא שביק מר חיי לכל בריה וכו' ולהבין כל זה באר היטב וגם להבין מה שאמר איוב [ב"ב פ"א] רבש"ע בראת צדיקי' בראת רשעי' כו' והא צדיק ורשע לא קאמר. וגם להבין מהות מדרגת הבינוני שבודאי אינו מחצה זכיות ומחצה עונות שא"כ איך טעה רבה בעצמו לומר שהוא בינוני ונודע דלא פסיק פומיה מגירסא עד שאפי' מלאך המות לא היה יכול לשלוט בו ואיך היה יכול לטעות במחצה עונות ח"ו. ועוד שהרי בשעה שעושה עונות נקרא רשע גמור [ואם אח"כ עשה תשובה נקרא צדיק גמור[ואפילו העובר על איסור קל של דברי סופרים מקרי רשע כדאיתא בפ"ב דיבמות ובפ"ק דנדה ואפילו מי שיש בידו למחות ולא מיחה נק' רשע [בפ"ו דשבועו'] וכ"ש וק"ו במבטל איזו מ"ע שאפש' לו לקיימה כמו כל שאפשר לו לעסוק בתורה ואינו עוסק
שעליו